विषय-सूची

विषय-प्रवेश १७-४८

क—लोकसाहित्य का अध्ययन—प्रवृत्ति—पृष्ठभूमि— १९-२७
ख—लोकवार्ता एवं लोकसाहित्य— २७-३६
(अ) प्रयोग की समस्या— २७-३२
(आ) लोक वार्त्ता का क्षेत्र एवं व्यापकता— ३२-३५
(इ) लोक वार्ता और लोकसाहित्य का संबंध— ३५-३६
ग—लोकसाहित्य के विविध रूप— ३६-३९
घ—लोकसाहित्य की विशेषताएं— ३९-४२
ङ—लोकसाहित्य का महत्व — ४२-४८
१. ऐतिहासिक महत्व— ४३-४४
२. सामाजिक महत्व— ४४-४५
३. शिक्षा विषयक महत्व— ४५-४६
४. आचारिक महत्व— ४६
५. भाषा वैज्ञानिक महत्व— ४६-४७
६. सांस्कृतिक महत्व— ४७-४८

प्रथम अध्याय ४९-७८

अ—हरियाना प्रदेश का इतिहास और क्षेत्रविस्तार— ५१-६२
(१) हरियाना प्रदेश का इतिहास, नामकरण व प्राचीनता ५१-५९
(२) हरियाने का क्षेत्रविस्तार— ५९-६२
आ—हरियाना लोकसाहित्य के विविध रूप— ६३-७८
(१) लोकसाहित्य के मूलतत्व— ६४
(२) हरियाना लोकसाहित्य का वर्गीकरण— ६४-७८
१. हरियानी लोक गीत— ७२-७५
२. लोक कथा— ७५-७७
३. अभिनयात्मक लोकसाहित्य— ७७
४. प्रकीर्ण साहित्य— ७८

द्वितीय अध्याय ७९-११९

हरियानी बोली का अध्ययन— ७९-११९

१. भाषा-विज्ञान की दृष्टि से : पूर्वपीठिका— ८१-८३

अ. नामकरण— ८३-८५

आ. हरियानी का अध्ययन (आवश्यकता)— ८५

इ. हरियानी का क्षेत्र विस्तार— ८५-८६

ई. हरियानी का समीपवर्ती बोलियों से पार्थक्य— ८६-१०३

(क) हरियानी और पंजाबी— ८६-९२

(ख) हरियानी और राजस्थानी— ९२-९६

(ग) हरियानी और ब्रज— ९६-९८

(घ) कौरवी और हरियानी— ९८-१००

(ङ) दक्खिनी और हरियानी— १००-१०३

उ. हरियानी और समीपवर्ती बोलियों के नमूने— १०३-१०६

ऊ. हरियानी में साहित्य सृजन के अभाव के कारण—१०६-१०९

२. व्याकरण की दृष्टि से— ११०-११९

तृतीय अध्याय १२१-३३६

लोक-गीत— १२१-३३६

अ. लघुगीत (पूर्वपीठिका) — १२३-२६६

क. संस्कार सम्बन्धी गीत — १२६-२०१

जन्म के गीत—दौहद (ओजणा) का वर्णन, प्रसव पीड़ा, ननद भावज की बदनी, नेग के गीत, बधावा गीत, छठी के गीत, खीचड़ी के गीत, दृष्टिदोष तथा मूल उपशान्ति के गीत— १२६-१४४

विवाह के गीत—सगाई, लगन, भात न्यौतना, हलदातवान, उबटना, मांढारोपना, भात के गीत, लाडो, मेंहदी, जकड़ी, विवाह के दिन वर-पक्ष में घुड़चढी या निकासी, खौड़िया, बरात की पहुँच, रतजगा, विवाह के दिन कन्या-पक्ष में चोक धोकना, फेरे या चौंरी, फेरों के पीछे (देवघर) के गीत, छन और विदा के गीत— १४४-१९८

मृत्युगीत—जामाता की मृत्यु, विवाहिता कन्या तथा वृद्ध की मृत्यु के गीत— १६८-२०१

ख. ऋतुगीत—वर्ष के उत्सव एवं त्योहारों का वर्णन— २०१-२५०

१. दई देवता आदि के गीत—अ. रोग सम्बन्धी देवता – शीतलामाता के गीत आदि— आ. तीर्थयात्रा सम्बन्धी ज्वालाजी के यात्रा के गीत— २०५-२१३

२. भिन्न-भिन्न मासों में गाये जानेवाले गीत— २१३-२५०

क. श्रावण—झूला के गीत, हरियाली तीज, मल्हार, मान के गीत, मनिहार, चन्दरावल, बारहमासा— २१३-२३२

ख. भाद्रपद—कृष्णजन्माष्टमी, गूगापीर अथवा जहार पीर के गीत— २३२-२३८

ग. क्वार—सांजी के गीत— २३८

घ. कार्तिक—कार्तिक स्नान, हरजस, परभाती, देवउठान आदि के गीत— २३८-२४३

ङ. फाल्गुन—होली, धूल, मस्ती और शिकायत के गीत आदि— २४३-२५०

ग. कृषिगीत —बुआई, किसान की समृद्धि (आवश्यकताएं), आभूषण-प्रियता का गीत, वर्षा के लिए प्रार्थना, बाजरे का गीत, ईख का गीत, मल्होर मक्का का गीत, बैल का गीत, गाय तथा चरखा गीत और बारा— २५०-२६०

घ. राजनैतिक प्रभाव के गीत —बापू के निधन का गीत, युद्ध और भरती के गीत— २६०-२६१

ङ. अन्य गीत —हुचकी, नृत्यगीत तथा पनघट के गीत— २६१-२६६

आ. प्रबन्ध गीत— २६६-३१६

क. हरियानी लोक-गाथाओं का वर्गीकरण— २६७-२७१

ख. हरियानी लोक-गाथाओं में पात्र— २७१-२७३

ग. हरियानी लोक-गाथाओं में प्राप्त अभिप्राय— २७३-२७५

घ. हरियानी लोक-गाथाओं का स्वरूप (विशेषताएं)— २७५-२८२

हरियाने के तीन प्रतिनिधि लोकरागों का विवेचनात्मक विस्तृत अध्ययन— २८२-३१६

१. निहालदे— २८२-२९३

२. गूगा— २९३-३१०

३. किस्सा राव किशन गोपाल— ३१०-३१६

ई. हरियानी लोकगीतों में साहित्य तत्व— ३१६-३३६

क. अलंकार विधान— ३२०-३२३

ख. रस परिपाक— ३२३-३३५

ग. लोक-गीतों में लय— ३३५-३३६

घ. लोक-गीतों में छंद— ३३६

चतुर्थ अध्याय ३३७-३७६

लोक-कथा— ३३९-३७६

क. भारतीय परम्परा में लोक कहानियां— ३३९-३४६

ख. आधुनिक भारतीय भाषाओं में लोक कहानियां— ३४७-३५०

ग. हरियाने की लोक कहानियां—विविध रूप— ३५०-३६४

घ. हरियानी लोक-कहानियों का नामकरण— ३६४-३६५

ङ. हरियानी लोक-कहानी का शिल्पविधान— ३६५-३७०

च. हरियानी लोक-कहानियों की विशेषताएं— ३७०-३७१

छ. हरियानी लोक-कहानियों में विविध अभिप्राय— ३७१-३७५

ज. लोक-कहानियों और आधुनिक साहित्यिक कहानियों में अन्तर— ३७५-३७६

पंचम अध्याय ३७७-४०८

हरियानी लोकनाट्य साहित्य — ३७९-४०८

क. लोकनाट्य परम्परा एवं लोक रंगमंच— ३७९-३८५

ख. हरियानी—सांगीत— ३८५-३९२

(१) हरियानी सांगीत (सांग) का शिल्प विधान— ३८८-३९०

(२) हरियानी सांगीत और हिन्दी नाटक में अंतर— ३९०-३९२

ग. हरियानी सांगीत का इतिहास— ३९२-३९७

घ. हरियानी सांगीत में सूफी प्रभाव— ३९७-४०५

ङ. हरियानी लोकनाट्य और सिनेमा— ४०६-४०७

च. हरियानी लोकनाट्य की विशेषताएं— ४०७-४०८

षष्ठ अध्याय ४०९-४५५

प्रकीर्ण साहित्य— ४११ ४५५

पूर्व पीठिका— ४११

क. लोकोक्तियां (कहावतें)—लोकोक्ति संग्रह, लोकोक्ति साहित्य का महत्त्व, लोकोक्ति साहित्य की विशेषताएँ, वर्ण्य विषय, जातिपरक, देश व स्थान परक, इतिहास परक, कृषि वर्षापरक, नीतिगर्भित, व्यंग्यात्मक— ४१२-४३०

ख. मुहावरे (रूढ़ियाँ)—

१. (क) मुहावरे का अर्थ
(ख) लोकोक्तियों और मुहावरों का अंतर,
(ग) मुहावरों का महत्व— ४३१-४३३

२. हरियानी मुहावरों का अध्ययन (क) संस्कार तथा प्रथाओं का उल्लेख (ख) ऐतिहासिक चित्रण (ग) पौराणिक चित्रण (घ) जातिगत विशेषताएं (ङ) व्यंग्योक्ति (च) शकुन विचार— ४३३-४३५

ग. पहेली (काली गाहा), मुकरियां— ४३६-४४३

घ. सूक्तियां – घाघ, भड्डरी, सरूपा तथा सहदेव की सूक्तियां— ४४३-४४७

ङ. खेलों में वाणी विलास— ४४७-४५४

च. फुटकर—वृद्धाओं के आशीर्वचन आदि— ४५४-४५५

सप्तम अध्याय ४५७-४७५

हरियानी लोक-साहित्य में प्रादेशिक संस्कृति— ४५९-४७५

क. हरियानी संत सम्प्रदाय— ४६०-४६२

ख. हरियाना की भूमि— ४६२-४६५

१. पानी की न्यूनता— ४६२-४६३

२. अकालों की भीषणता— ४६३-४६५

ग. हरियाना में प्रचलित विश्वास— ४६६-४७२

१. अंधविश्वास— ४६६-४६७

२. अन्य विश्वास तथा शकुन विचार— ४६७-४७१

३. जंत्रमंत्र तथा टोने-टोटके— ४७१-४७२
घ. हरियानी समाज— ४७२-४७४
ङ. हरियाने का भोजन— ४७४-४७५

परिशिष्ट

क. दो हरियानी लोक कहानी—खीचड़ी, एक राजा के छोरे की कहानी— ४७६-४८२
ख. स्वरलिपि— ४८२-४८४
ग. शब्द-कोष— ४८४-४६४
सहायक सामग्री— ४६५-४६६

———